पंजाब केसरी
THU,25 DECEMBER 2025
EDITION: HIMACHAL , PAGE NO. 7

धर्मशाला : स्कूल शिक्षा बोर्ड में आयोजित कार्यशाला में उपस्थित विशेषज्ञ, बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा व अन्य सामूहिक चित्र में। (ब्यूरो)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत परीक्षा प्रणाली में बड़ा बदलाव

धर्मशाला, 24 दिसम्बर (ब्यूरो): हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड धर्मशाला द्वारा विद्यार्थियों की शैक्षणिक गुणवत्ता को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में एक अहम निर्णय लिया गया है। आगामी शैक्षणिक सत्र से कक्षा 9वीं से जमा-2 तक एफ.ए-1, एफ.ए.-2 तथा प्री-बोर्ड परीक्षाओं की शुरूआत की जाएगी।

इस नई व्यवस्था का उद्देश्य प्रदेश के सभी विद्यालयों में एक समान पाठ्यक्रम लागू करना तथा विद्यार्थियों को जे.ई.ई. व नीट सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए बेहतर रूप से तैयार करना है।

पाठ्यक्रम विभाजन एवं प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर बुधवार को बोर्ड मुख्यालय में विषय विशेषज्ञों की कार्यशाला का आयोजन भी किया गया।

यह पहल शिक्षा प्रणाली को अधिक व्यवस्थित, परिणामोन्मुख और प्रतिस्पर्धात्मक बनाने में सहायक सिद्ध होगी।

पंजाब केसरी
MON,29 DECEMBER 2025
EDITION: HIMACHAL , PAGE NO. 3

शिक्षा बोर्ड चेयरमैन ने नए साल पर बच्चों को दिए 5 संकल्प

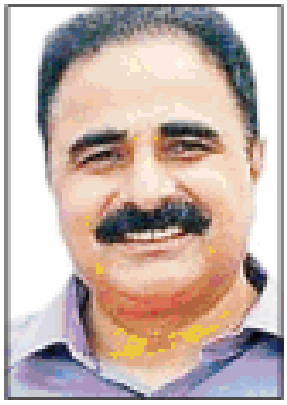

धर्मशाला, 28 दिसम्बर (ब्यूरो): हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डा. राजेश शर्मा ने अगले वर्ष पर स्कूली बच्चों से सीधा संवाद बनाते हुए कहा कि हमें याद रखना होगा कि साल की शुरूआत ही भविष्य के लिए नए दरवाजे खोलने और सफलता की राह तलाशने के लिए प्रेरित करती है। इसको देखते हुए शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश ने बच्चों से 5 संकल्प लेने की बात कही है।

उन्होंने कहा कि सबसे पहला संकल्प बच्चों को यह लेना है कि नए साल में उन्हें मोबाइल फोन से थोड़ी दूरी बनानी है क्योंकि तय समय से ज्यादा स्क्रीन देखने से नींद और आंखों पर असर पड़ता है। उन्होंने कहा कि आज ही संकल्प लेना है कि सोने से एक घंटा पहले मोबाइल साइड पर रख देंगे। उन्होंने कहा कि बच्चों को यह भी संकल्प लेना होगा कि वे नए साल से प्रतिदिन कम से कम 30 मिनट अपने विषय से हटकर किताबों को पढ़ने की आदत डालें।

कहानी, कॉमिक या कोई ज्ञानवर्धक किताब। बच्चों को ये संकल्प भी लेना होगा कि चाहे कोई नई शब्दावली हो, पेंटिंग, संगीत या खेल कुछ भी हो, कुछ न कुछ नया सीखते रहेंगे। अपनी लाइफस्टाइल को लेकर भी संकल्प लेना चाहिए। बच्चों को समय पर सोना और उठना चाहिए।

उन्होंने कहा कि बच्चे रात में सही समय पर सोने और सुबह जल्दी उठने की आदत का संकल्प लें। साथ ही नए साल पर अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने का संकल्प लेते हुए जंक फूड से दूरी बनाना भी जरूरी है। डा. राजेश ने कहा कि आऊट डोर खेल बच्चों को फिट ही नहीं, सामाजिक भी बनाती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार बच्चों को रोज कम से कम 60 मिनट फिजिकल एक्टीविटी चाहिए।

Divya Himachal 25-12-2025

चौथी-पांचवीं-छठी को नई किताबें

शिक्षा बोर्ड ने नई शिक्षा नीति के अनुरूप तैयार किया सिलेबस, शैक्षणिक सत्र 2026-27 से लागू

नगर संवाददाता – धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने एनसीईआरटी द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 (एनईपी-2020) व राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा के अनुरूप प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक स्तर की शिक्षा में संरचनात्मक सुधार करते हुए कक्षा चौथी, पांचवीं और छठी के लिए नई किताबों को अधिसूचित किया है। यह बदलाव रट्टा पद्धति से हटकर समझ-आधारित, गतिविधि-केंद्रित और बहुविषयक शिक्षण को बढ़ावा देने की दिशा में किया गया है। नई किताबें शैक्षणिक सत्र 2026-27 से लागू की जाएंगी। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि एनईपी-2020 के तहत भाषा, गणित, पर्यावरण अध्ययन, सामाजिक विज्ञान और जीवन कौशल जैसे विषयों को आपस में जोड़ते हुए विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर विशेष जोर दिया गया है। साथ ही मातृभाषा और स्थानीय भाषाओं को प्रोत्साहन देने, नैतिक शिक्षा, योग तथा स्थानीय संस्कृति को पाठ्यवस्तु का हिस्सा बनाने का उद्देश्य भी इन बदलावों के पीछे है। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि उपरोक्त कक्षाओं के लिए पुरानी स्टॉक की पाठ्यपुस्तकों का उपयोग अब नहीं किया जा सकेगा।

कक्षा चार के लिए

पुरानी पाठ्यपुस्तकें रिमझिम भाग-4, मैरीगोल्ड बुक-4, मैथ मैजिक बुक-4 और लुकिंग अराउंड बुक-2 को समाप्त किया गया है। इनके स्थान पर वीणा-2 (हिंदी), संतूर-2 (अंग्रेज़ी), मैथ्स मेला-2 (गणित), भोटी भाषा तथा आवर वंड्रस वर्ल्ड (ईवीएस) को निर्धारित किया गया है।

कक्षा पांचवीं के लिए

रिमझिम भाग-5, मैरीगोल्ड बुक-5, मैथ मैजिक बुक-5 और लुकिंग अराउंड बुक-3 को हटाया गया है। नई व्यवस्था के तहत वीणा-3 (हिंदी), संतूर-3 (अंग्रेज़ी), मैथ्स मेला (गणित), आवर वंड्रस वर्ल्ड (ईवीएस), भोटी भाषा, मोरल एजुकेशन और हिस्ट्री ऑफ द इंडियन फ्रीडम स्ट्रगल को पाठ्यपुस्तकों के रूप में लागू किया जाएगा।

कक्षा छठी के लिए

एनईपी-2020 के अनुरूप व्यापक परिवर्तन किए गए हैं। इस कक्षा में वसंत भाग-1 (हिंदी), गणित, हनी सकल (अंग्रेज़ी), ए पैक्ट विद द सन, संक्षिप्त रामायण, संस्कृत रुचिरा, विज्ञान, हमारे अतीत, सामाजिक एवं राजनीतिक जीवन-1, पृथ्वी हमारा आवास, नैतिक शिक्षा सहित पुरानी पुस्तकों को समाप्त किया गया है। इनके स्थान पर मल्हार, पूर्वी, समाज का अध्ययन- भारत और उसके आगे, होम साइंस, मोरल एजुकेशन, हिस्ट्री ऑफ द इंडियन फ्रीडम स्ट्रगल, दीपकम, गणित प्रकाश (अंग्रेज़ी माध्यम), क्यूरियोसिटी, एक्सप्लोरिंग सोसाइटी-इंडिया एंड बियॉन्ड, हिंदी व्याकरण और रचना, इंग्लिश ग्रामर, पंजाबी पुस्तक, फोक कल्चर ऑफ हिमाचल एंड योग, खयाल, परियोजना पुस्तिका, कृति-1 और संगीत प्रज्ञा (भाग-1) को निर्धारित किया गया है।

Divya Himachal 25-12-2025

समारोह रंगारंग कार्यक्रम से छात्रों ने मचाया धमाल, शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डाक्टर राजेश शर्मा ने की बतौर मुख्यातिथि शिरकत

महर्षि विद्या मंदिर स्कूल में गूंजे देशभक्ति के तराने

जिला संवाददाता- कांगड़ा

महर्षि विद्या मंदिर पब्लिक स्कूल का वार्षिक समारोह बुधवार को उत्सव पैलेस में आयोजित किया गया, जिसमें छात्रों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम, नृत्य और संगीत प्रस्तुतियां दी। विद्यार्थियों ने भारतीय संस्कृति और सामाजिक मूल्यों को दर्शाते हुए मनमोहक प्रस्तुतियां दीं, जिसकी सभी ने सराहना की। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और महर्षि जी के चित्र पर माल्यार्पण से हुई। स्कूल की प्रिंसीपल पूजा शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि महर्षि विद्या मंदिर स्कूल समूह भारत के 16 राज्यों में 170 से अधिक शाखाओं

के साथ छात्रों को न केवल शैक्षणिक शिक्षा बल्कि भावातीत ध्यान और योग के माध्यम से पूर्ण विकास प्रदान करता है। समारोह में छात्रों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। छोटे बच्चों ने लोक नृत्य और देशभक्ति गीतों पर नृत्य किया, जबकि बड़े छात्रों ने ग्रुप डांस और नाटक के माध्यम से भारतीय संस्कृति और पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों पर संदेश दिए। योग प्रदर्शन और वैदिक मंत्रोच्चार ने कार्यक्रम को आध्यात्मिक रंग प्रदान किया। मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने छात्रों की प्रशंसा की और कहा कि ऐसे आयोजन छात्रों में आत्मविश्वास और रचनात्मकता बढ़ाते हैं। प्रदेश भारत में पहला राज्य बन गया है, जिसने नेशनल एजुकेशन पॉलिसी के तहत एमसीकयू चैप्टर वाइज साइट पर उपलब्ध करवाया है। दसवीं कक्षा में दो विषयों में फेल हो जाने पर इस साल जून में अगला मौका विद्यार्थी को दिया जाएगा, ताकि उसका एक साल बर्बाद न हो इसकी अधिसूचना जारी कर दी गई है। इस मौके पर सहायक अधीक्षण पुरातत्वविद डा. विजय कुमार, बोधजश्न सिंह, सोनिया मेहता, सुमन शर्मा, ध्रुव डोगरा, वनिता महाजन, प्रवीन मेहता, बृजला, अश्वनी, जतिन, सुधार, नीलम राणा व सुशील गुलेरिया सहित अभिभावकों, शिक्षकों और स्थानीय व्यक्तियों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। समारोह का समापन राष्ट्रगान से हुआ। यह आयोजन स्कूल के छात्रों की प्रतिभा और स्कूल की उत्कृष्ट शिक्षा व्यवस्था का जीवंत उदाहरण था।

Anant Gyan 29-12-2025

डॉ. राजेश के नए साल पर स्कूली बच्चों के लिए 5 संकल्प, जो बदल देंगे जीवन

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

- मोबाइल से थोड़ी दूरी बनानी,सोने से एक घंटा पहले साइड पर रखना
- कहानी, कॉमिक या ज्ञानवर्धक ज्ञानवर्धक किताबें पढ़ने की आदत डालना
- जंक फूड से दूरी बनानी, घर के खाने को रोज की डाइट में शामिल करना
- आउटडोर गेम्स खेलने की आदत डालना ताकि शारीरिक सक्रियता बढ़े
- चरित्र के लिए शिष्टाचार और संस्कार को अपनाने की आदत डालनी होगी

प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. राजेश शर्मा ने वर्ष 2026 के आगमन पर स्कूली बच्चों से सीधा संवाद बनाते हुए कहा कि हमें याद रखना होगा कि साल की शुरुआत ही भविष्य के लिए नए दरवाजे खोलने और सफलता की राह तलाशने के लिए प्रेरित करती है। इसके लिए डॉ. राजेश ने बच्चों से पांच संकल्प लेने की बात कही है, जिसे न्यू ईयर रेजोल्यूशन कहा जाता है। नए साल के ये संकल्प ही आगे चलकर व्यक्तित्व बनाती हैं।

डॉ. राजेश ने कहा कि हमें इस नए साल के आगमन को सिर्फ पार्टी करने भर का नहीं मानना है, इसलिए हमें आज ही कुछ संकल्प लेने हैं। जिनमें सबसे पहले ये संकल्प लेना है कि नए साल में हमें मोबाइल फोन से थोड़ी दूरी बनानी है। क्योंकि तय समय से ज्यादा स्क्रीन देखने से नींद और आंखों पर असर पड़ता है। सोने से एक घंटा पहले मोबाइल साइड पर रख देंगे। उन्होंने कहा कि स्कूल शिक्षा बोर्ड का चेयरमैन होने के नाते मेरा मानना है कि हमें ये संकल्प भी लेना होगा कि हम नए साल से प्रतिदिन कम से कम 30 मिनट अपने विषय से हटकर किताबों को पढ़ने की आदत डालेंगे। कहानी, कॉमिक या कोई ज्ञानवर्धक किताब, आप कुछ भी पढ़ सकते हैं।

भेड़ी में आलमपुर-बालकरूपी मंडल का संयुक्त हिंदू सम्मेलन आयोजित

नरेंद्र डोगरा, अनंत ज्ञान, जयसिंहपुर। भेड़ी स्थित अंबेडकर भवन में आलमपुर एवं बालकरूपी मंडल के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को भव्य हिंदू सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्रीरामचंद्र जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया। कर्नल गुलेर मुख्य अतिथि और ब्रह्मकुमारी सपना विशिष्ट अतिथि रहीं। मुख्य वक्ता सह प्रांत प्रचारक ओम प्रकाश ने हिंदू समाज की एकता, सांस्कृतिक मूल्यों, राष्ट्रभक्ति और सामाजिक समरसता पर विचार रखे। सम्मेलन की अध्यक्षता प्रेम लाल ने की। वक्ताओं ने युवाओं से सामाजिक दायित्व निभाने का आह्वान किया। सम्मेलन में गणमान्य नागरिकों, युवाओं और मातृशक्ति की सक्रिय भागीदारी रही।